राजभाषा विभाग
गृह मंत्रालय
भारत सरकार

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), सागर (म.प्र.)

TOWN OFFICIAL LANGUAGE IMPLEMENTATION COMMITTEE (TOLIC), SAGAR (M.P.)

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार

DEPARTMENT OF OFFICIAL LANGUAGE, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, GOVERNMENT OF INDIA

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर
द्वितीय छमाही बैठक 2025-26

17 नवम्बर, 2025 (सोमवार)

प्रतिवेदन

राजभाषा विभाग
गृह मंत्रालय
भारत सरकार
आमंत्रण
नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), सागर (म.प्र.)
TOWN OFFICIAL LANGUAGE IMPLEMENTATION COMMITTEE (TOLIC), SAGAR (M.P.)
राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार
DEPARTMENT OF OFFICIAL LANGUAGE, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, GOVERNMENT OF INDIA
नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर
द्वितीय छमाही बैठक 2025-26
में आप सादर आमंत्रित हैं।
अध्यक्षता
प्रो. वाई. एस. ठाकुर
माननीय कुलपति
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
एवं अध्यक्ष, नराकास, सागर
:: बैठक की तिथि एवं समय ::
17 नवम्बर, 2025 (सोमवार)
मध्याह्न 12.00 बजे से
विशिष्ट अतिथि
श्री नरेन्द्र सिंह मेहरा
उप निदेशक (कार्यान्वयन)
क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (मध्य), भोपाल
राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार
:: बैठक स्थल ::
होटल वरदान, 5 सिविल लाइन्स, सागर (म.प्र.)
विशेष आकर्षण
विश्वविद्यालय के संगीत विभाग के छात्रों द्वारा प्रस्तुति।
भवदीय
संतोष सोहगौरा
सदस्य-सचिव, नराकास, सागर (म.प्र.)
संयुक्त कुलसचिव एवं राजभाषा अधिकारी (प्र.)
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

प्रतिवेदन

प्रस्तावना

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशों के तारतम्य में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), सागर की वित्तीय वर्ष 2025-26 की द्वितीय छमाही बैठक प्रो. यशवंत सिंह ठाकुर, माननीय कुलपति, डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की अध्यक्षता में दिनांक 17 नवम्बर, 2025 (सोमवार) को मध्याह्न 12:00 बजे सागर नगर के प्रतिष्ठित होटल वरदान के सभागार में आयोजित हुई। उक्त बैठक में विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री नरेन्द्र सिंह मेहरा, उप निदेशक (कार्यान्वयन), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (मध्य) भोपाल, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार उपस्थित रहे।

जैसा कि विदित है कि राजभाषा विभाग, गृहमंत्रालय के दिनांक 22.11.1976 के का.ज्ञा.सं. 1/14011/12/76-रा.भा. (का-1) के अनुसार देश के उन सभी नगरों में जहां केंद्रीय सरकार के 10 या इससे अधिक कार्यालय हों, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों का गठन किया जा सकता है । समिति का गठन राजभाषा विभाग के क्षेत्रीय कार्यान्वयन

कार्यालयों से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर भारत सरकार के सचिव (राजभाषा) की अनुमति से किया जाता है । उक्त क्रम में राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सागर नगर स्थित केन्द्रीय कार्यालयों/बैंकों/ उपक्रमों आदि में राजभाषा नीति के कार्यान्वयन हेतु नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर का गठन किया गया है जिसकी अध्यक्षता का दायित्व डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति महोदय को सौंपा गया है।

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय के निर्देशानुसार केंद्रीय सरकार के देश भर में फैले हुए कार्यालयों/ उपक्रमों/बैंकों आदि में राजभाषा के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने और राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के मार्ग में आ रही कठिनाइयों को दूर करने के लिए एक संयुक्त मंच के रूप में नराकास की बैठकों का आयोजन प्रत्येक छमाही में किया जाता है ताकि नगर विशेष के सभी केन्द्रीय कार्यालय/उपक्रम/बैंक आदि राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन पर गहन विचार-विमर्श कर सकें। इसी क्रम में नराकास, सागर की वित्तीय वर्ष 2025-26 की द्वितीय छमाही बैठक का आयोजन किया जा रहा है।

बैठक का विगतवार ब्यौरा एवं कार्यवृत्त

वंदन, अभिनंदन एवं परिचय

1. **मां सरस्वती एवं डॉ. गौर को पुष्पांजलि अर्पण कर बैठक का शुभारंभ।**

बैठक का शुभारंभ समिति के माननीय अध्यक्ष महोदय प्रो. यशवंत सिंह ठाकुर, विशिष्ट अतिथि श्री नरेन्द्र सिंह मेहरा एवं समिति के सदस्य-सचिव श्री संतोष सोहगौरा द्वारा माँ

सरस्वती एवं विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ. हरीसिंह गौर के चित्र पर माल्यार्पण के साथ किया गया।

2. संगीत विभाग, डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय द्वारा सरस्वती वंदना की प्रस्तुति।

विश्वविद्यालय के संगीत विभाग के विद्यार्थियों द्वारा सहायक प्राध्यापक डॉ. अवधेश प्रताप सिंह तोमर एवं डॉ. राहुल स्वर्णकार के मार्गदर्शन में सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई।

3. माननीय अध्यक्ष एवं कुलपति महोदय प्रो. वाय.एस. ठाकुर का स्वागत।

सदस्य-सचिव श्री सोहगौरा ने समिति को बताया कि राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति को नराकास, सागर की अध्यक्षता का दायित्व सौंपा गया है।

विश्वविद्यालय के कुलपति (प्र.) होने के नाते माननीय प्रो. यशवंत सिंह ठाकुर समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे हैं।

समिति के सदस्य –सचिव श्री संतोष सोहगौरा ने समिति की ओर से माननीय कुलपति महोदय का आदर सहित अभिनंदन किया।

4. **विशिष्ट अतिथि श्री नरेन्द्र सिंह मेहरा, उप निदेशक (कार्यान्वयन), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (मध्य), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार का स्वागत।**

नराकास, सागर की ओर से समिति के सम्मानित सदस्य एवं बैंक ऑफ बड़ौदा, सागर के मुख्य प्रबंधक श्री अशोक अनिल घोटणकर द्वारा श्री मेहरा जी का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

5. सम्माननीय सदस्य कार्यालयाध्यक्षों एवं नए सदस्य कार्यालयाध्यक्षों का स्वागत एवं परिचय।

सदस्य-सचिव श्री सोहगौरा ने समिति के समस्त–सदस्यों का स्वागत करते हुए सर्वप्रथम माननीय अध्यक्ष महोदय प्रो. यशवंत सिंह ठाकुर एवं विशिष्ट अतिथि श्री नरेन्द्र सिंह मेहरा का परिचय समिति के समक्ष रखा। तदुपरांत बेहतर समन्वय हेतु सभी कार्यालयाध्यक्षों एवं प्रतिनिधियों का परिचय प्राप्त किया गया। सदस्य कार्यालयों के प्रमुखों/प्रतिनिधियों ने राजभाषा कार्यान्वयन हेतु किए गए नवाचारों एवं अपने कार्यालय की उपलब्धियों से भी सदन का अवगत कराया।

माननीय अध्यक्ष महोदय प्रो. यशवंत सिंह ठाकुर एवं विशिष्ट अतिथि श्री नरेन्द्र सिंह मेहरा ने सदस्य कार्यालयों की सराहना की। उन्होंने समिति के नए सदस्य कार्यालय केन्द्रीय विद्यालय, बीना के प्रतिनिधि का समिति में स्वागत किया।

सदस्य कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन की समीक्षा एवं विचार-विमर्श

6. प्रथम छमाही बैठक के कार्रवाई प्रतिवेदन की पुष्टि।

सदस्य-सचिव ने समिति को अवगत कराया कि नराकास, सागर के सचिवालय द्वारा समिति की निवर्तमान अध्यक्ष महोदया प्रो. नीलिमा गुप्ता के अनुमोदन के उपरांत उक्त बैठक का कार्यवृत्त सूचना एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु समस्त सदस्य कार्यालयों को ई-मेल एवं नराकास, सागर के अधिकृत वाट्सएप्प ग्रुप के माध्यम से दिनांक 18.07.2025 को परिचालित किया गया। उक्त कार्यवृत्त पर समस्त सदस्य कार्यालयों द्वारा सहमति प्रदान की गई।

माननीय अध्यक्ष महोदय एवं समस्त सदस्य कार्यालयों द्वारा कार्रवाई की पुष्टि की गई।

7. सदस्य कार्यालयों की छमाही प्रगति रिपोर्ट (01 अप्रैल से 30 सितम्बर, 2025) की समीक्षा।

माननीय अध्यक्ष महोदय की अनुमति से समिति के सदस्य-सचिव संतोष सोहगौरा ने सदस्य कार्यालयों द्वारा प्रेषित राजभाषा की गत छमाही (01 अप्रैल से 30 सितम्बर, 2025 तक) की राजभाषा प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा की। समीक्षा के मुख्य आधार हिंदी पत्राचार की स्थिति, राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) का अनुपालन, राजभाषा नियम 05 का अनुपालन, हिन्दी में मूल पत्राचार का प्रतिशत, हिन्दी कार्यशालाओं का आयोजन, राजभाषा पत्रिका का प्रकाशन एवं हिन्दी दिवस/पखवाड़े का आयोजन रहा। उन्होंने बताया कि कुल 22 सदस्य कार्यालयों ने निर्धारित समयावधि में अपनी छमाही प्रगति रिपोर्ट सचिवालय को प्रेषित की है। उन्होंने शेष कार्यालयों से अनुरोध किया कि वे भी प्राथमिकता के आधार पर अपनी छमाही प्रगति रिपोर्ट प्रेषित करने का कष्ट करें। समीक्षा के दौरान उन्होंने रिपोर्ट के आंकड़ों की गुणवत्ता एवं विश्वसनीयता हेतु आवश्यक कदम उठाए जाने का निवेदन किया साथ ही राजभाषा कार्यान्वयन हेतु महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

सदस्य कार्यालयों द्वारा इंगित बिंदुओं पर यथाशीघ्र कार्यवाही सुनिश्चत करने पर सहमति व्यक्त की।

8. राजभाषा के वार्षिक कार्यक्रम 2025-26 पर चर्चा।

सदस्य-सचिव ने समिति सदस्यों को संघ का राजकीय कार्य हिन्दी में करने के लिए राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी वर्ष 2025-26 के वार्षिक कार्यक्रम के लक्ष्यों से अवगत कराया तथा उनके अनुपालन हेतु समुचित प्रयास किए जाने का अनुरोध किया।

सदस्य कार्यालयों द्वारा उक्त पर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने पर सहमति व्यक्त की।

9. राजभाषा विभाग की सूचना प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से तिमाही प्रगति रिपोर्ट के प्रेषण पर चर्चा।

समिति के सदस्य-सचिव ने बताया कि राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार समस्त कार्यालयों द्वारा तिमाही प्रगति रिपोर्ट का प्रेषण राजभाषा विभाग की सूचना प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से किया जाना आवश्यक है। इसलिए समस्त कार्यालयों से ऑनलाइन रिपोर्ट प्रेषण हेतु राजभाषा विभाग की सूचना प्रबंधन प्रणाली पर अपने कार्यालय का पंजीयन कराने तथा तिमाही रिपोर्ट प्रेषित किया जाना सुनिश्चित किए जाने का अनुरोध किया।

सदस्य कार्यालयों द्वारा उक्त पर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने पर सहमति व्यक्त की।

10. राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा (3) की सदस्य कार्यालयों में अनुपालन की स्थिति पर चर्चा।

समिति के सदस्य-सचिव ने बताया कि राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) के अनुसार निम्नलिखित दस्तावेजों को अनिवार्यत: द्विभाषी में जारी किया जाना है -

1. संकल्प, 2. सामान्य आदेश, 3. नियम, 4. अधिसूचनाएं, 5. प्रशासनिक व अन्य प्रतिवेदन, 6. परिपत्र, 7. प्रेस विज्ञप्तियां, 8. संविदा, 9. करार, 10. निविदा सूचना एवं निविदा प्रारूप, 11. ज्ञापन, 12. अनुज्ञप्तियां 13. अनुज्ञा पत्र, 14. नीति संबंधी दस्तावेज।

समस्त सदस्यों ने उक्त नियम का अनुपालन गंभीरता के करने का आश्वासन दिया।

11. सदस्य कार्यालयों में कुल स्वीकृत पदों के सापेक्ष हिन्दी पदों की स्थिति पर चर्चा।

समिति के सदस्य-सचिव ने बताया कि कार्यालयों में राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु राजभाषा विभाग के मानकों के अनुरूप पदों का होना आवश्यक है।

अध्यक्ष महोदय ने सदस्य कार्यालयों के समस्त कार्यालयों के प्रमुखों से राजभाषा संबंधी रिक्त पदों को प्राथमिकता के आधार पर भरने एवं राजभाषा के मानकों के अनुरूप पद सृजित किए जाने पर बल दिया।

12. सदस्य कार्यालयों की वेबसाइट को संवर्धित व द्विभाषी बनाने पर चर्चा।

सदस्य-सचिव ने बताया कि राजभाषा के वार्षिक कार्यक्रम के अनुसार प्रत्येक कार्यालय की वेबसाइट द्विभाषी होनी अनिवार्य है। उन्होंने समस्त सदस्य कार्यालयों से अनुरोध किया कि कार्यालयों की वेबसाइट यथाशीघ्र द्विभाषी में तैयार करा ली जाए तथा उसे नियमित रूप से अद्यतनीकृत किया जाए ताकि राजभाषा नियमों का उल्लंघन न हो।

सदस्य कार्यालयों द्वारा उक्त पर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने पर सहमति व्यक्त की गई।

13. सदस्य कार्यालयों में कम्प्यूटरों पर यूनिकोड के प्रयोग पर चर्चा।

उक्त मद पर चर्चा करते हुए सदस्य-सचिव ने बताया कि वर्तमान में नई पीढ़ी के कम्प्यूटरों पर यूनिकोड में कार्य करने की सुविधा उपलब्ध है। यदि किसी कारणवश किसी कार्यालय के कम्प्यूटरों पर यूनिकोड सुविधा उपलब्ध नहीं है तो उसे तकनीकी विशेषज्ञों के सहयोग से यूनिकोड समर्थित बनाये जाने की आवश्यकता है। कार्यालय यथावश्यकता अपने कार्मिकों हेतु

यूनिकोड के प्रयोग पर केन्द्रित कार्यशालाओं का आयोजन भी कर सकते हैं।

सदस्य कार्यालयों ने उक्त पर अपनी सहमति व्यक्त की।

14. हिन्दी संगोष्ठी /कार्यशाला /अतिथि व्याख्यान/ प्रतियोगिताओं इत्यादि के आगामी आयोजन पर चर्चा।

सदस्य-सचिव ने बताया कि राजभाषा के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से समय-समय पर हिन्दी संगोष्ठी/कार्यशाला /अतिथि व्याख्यान/प्रतियोगिता इत्यादि के आयोजन कराया जाना आवश्यक है। उन्होंने सदस्य कार्यालयों को अवगत कराया कि ऐसे कार्यक्रमों की वित्तीय व्यवस्था हेतु समस्त कार्यालयों का सहयोग अपेक्षित है।

माननीय अध्यक्ष महोदय ने समस्त सदस्य कार्यालयों के प्रमुखों को आश्वस्त किया कि उक्त आयोजनों हेतु विश्वविद्यालय का यथासंभव सहयोग निरंतर मिलता रहेगा।

15. नराकास, सागर की पत्रिका 'गौर दर्पण' हेतु सामग्री आमंत्रण एवं प्रकाशन पर चर्चा।

सदस्य-सचिव ने बताया के देश के विभिन्न नराकास द्वारा नियमित रूप से पत्रिका का प्रकाशन किया जाता है। इसी अनुक्रम में विगत छमाही बैठक में नराकास, सागर की पत्रिका के प्रकाशन का संकल्प पारित किया गया था।

माननीय अध्यक्ष महोदय की अनुमति से प्रकाशन कार्य हेतु नराकास, सागर के सदस्य कार्यालयों में विशेषज्ञों की एक उप समिति (संपादक मंडल) का गठन किया गया जिसका संयोजन सदस्य कार्यालय केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक- 04 के पीजीटी हिंदी एवं राजभाषा प्रभारी श्री योगेन्द्र सिंह जी द्वारा किया जा रहा है। संयोजक महोदय ने बताया कि उप समिति की बैठक में पत्रिका का शीर्षण 'गौर दर्पण' तय किया गया तथा प्रकाशन हेतु लगभग 20 कविताएं/लेख इत्यादि प्राप्त हुए हैं। उन्होंने समस्त सदस्यों से आग्रह किया कि प्रकाशन हेतु सामग्री यथाशीघ्र प्रेषित करें ताकि शीघ्र ही पत्रिका का प्रकाशन सुनिश्चित किया जा सके।

समस्त सदस्य कार्यालयों ने सामग्री उपलब्ध कराने पर अपनी सहमति व्यक्त की।

16. सदस्य कार्यालयों में आयोजित हिन्दी दिवस/पखवाड़ा 2025 की रिपोर्ट पर चर्चा।

सदस्य-सचिव ने समिति को अवगत कराया कि राजभाषा के वार्षिक कार्यक्रम के अनुसार समस्त कार्यालयों में भाषा पर्व हिन्दी दिवस/हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन किया जाना आवश्यक है। कार्यालयों की छमाही प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा के दौरान पाया गया कि कुछ कार्यालय किसी कारणवश इस वर्ष हिन्दी दिवस/हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन नहीं कर सके हैं।

माननीय अध्यक्ष महोदय ने समस्त कार्यालयों से अनुरोध किया कि प्रत्येक कार्यालय द्वारा राजभाषा के प्रचार-प्रसार के लिए हिन्दी दिवस/हिंदी दिवस का अनिवार्यत: आयोजन सुनिश्चित किया जाए।

17. गत छमाही में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले तीन सदस्य कार्यालयों (उपक्रम, बैंक एवं कार्यालय- प्रत्येक श्रेणी से एक) का सम्मान।

सदस्य-सचिव ने सदन को अवगत कराया कि गत छमाही (01 अप्रैल, 2025 से 30 सितम्बर, 2025 तक) के दौरान अपने कार्यालय/उपक्रम/बैंक में राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वियन हेतु तीन सदस्य कार्यालयों को (तीन श्रेणियों: बैंक, उपक्रम एवं कार्यालय- प्रत्येक से एक) को नराकास, सागर की ओर से 'उत्कृष्टता सम्मान' से पुरस्कृत किया जाना है। पुरस्कार चयन हेतु हिंदी पत्राचार एवं टिप्पण की स्थिति, राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) का अनुपालन, राजभाषा नियम 05 का अनुपालन, हिन्दी में मूल पत्राचार का प्रतिशत, हिन्दी कार्यशालाओं का आयोजन, राजभाषा पत्रिका का प्रकाशन एवं हिन्दी दिवस/पखवाड़े का आयोजन आदि को आधार बनाया गया।

उन्होंने बताया कि माननीय अध्यक्ष महोदय की अनुमति से नराकास, सागर की ओर से राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वियन करने वाले सदस्य कार्यालयों को प्रत्येक छमाही बैठक के दौरान 'उत्कृष्टता सम्मान' से पुरस्कृत किया जाता है।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर ने माननीय अध्यक्ष महोदय के मार्गदर्शन एवं विशिष्ट अतिथि श्री नरेन्द्र सिंह मेहरा के अनुमोदन से निम्नलिखित कार्यालयों को 'उत्कृष्टता सम्मान' से पुरस्कृत किया गया-

1. बैंक श्रेणी – भारतीय स्टेट बैंक, सागर

2. उपक्रम श्रेणी – भारतीय खाद्य निगम, सागर

3. कार्यालय श्रेणी – डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर

समस्त सदस्यों ने विजेता कार्यालयों को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं। विजेता कार्यालयों को प्रमाण-पत्र एवं स्मृति चिह्न प्रदान किए गए।

18. उप निदेशक (कार्यान्वयन), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (मध्य), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संबोधन, प्रेरणा एवं समीक्षा।

नराकास बैठक में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित श्री नरेन्द्र सिंह मेहरा, उप निदेशक (कार्यान्वयन), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय(मध्य), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने सदस्य कार्यालयों को राजभाषा नियमों से अवगत कराया तथा उनके प्रभावी कार्यान्वयन हेतु महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने बताया कि राजभाषा कार्यान्वयन के लिए भारत सरकार की नीति प्रेरणा व प्रोत्साहन की नीति है। माननीय अध्यक्ष महोदय का आभार व्यक्त करते हुए श्री मेहरा ने कहा कि आपके यशस्वी नेतृत्व में नराकास, सागर निःसंदेह ही भारत की अग्रणी नराकास के रूप में अपनी

पहचान बनायेगी। उन्होंने समस्त कार्यालयों से राजभाषा नियमों एवं राजभाषा के वार्षिक कार्यक्रम के शत-प्रतिशतन अनुपालन सुनिश्चित करने का अनुरोध किया।

19. अध्यक्ष महोदय की अनुमति से अन्य कोई बिंदु पर चर्चा।

(क) माननीय अध्यक्ष महोदय की अनुमति से बैठक में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित श्री नरेन्द्र सिंह मेहरा ने समिति के सदस्य-सचिव तथा विश्वविद्यालय के संयुक्त कुलसचिव एवं राजभाषा अधिकारी श्री संतोष सोहगौरा को उत्कृष्ट प्रशासनिक सेवा एवं राजभाषा कार्यान्वयन हेतु मध्यप्रदेश शासन एवं जिला प्रशासन, सागर द्वारा सम्मानित किए जाने पर समिति की ओर से अभिनंदन का प्रस्ताव रखा।

उक्त प्रस्ताव पर सभी सदस्यों, विशिष्ट अतिथि एवं माननीय अध्यक्ष महोदय द्वारा समिति के सदस्य-सचिव श्री संतोष सोहगौरा

को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए सम्मान-पत्र एवं स्मृति चिह्न से सम्मानित किया गया।

(ख) माननीय अध्यक्ष महोदय ने विशिष्ट अतिथि श्री नरेन्द्र सिंह मेहरा जी के प्रस्ताव पर राजभाषा प्रोत्साहन हेतु प्रत्येक श्रेणी से तीन कार्यालयों को पुरस्कृत किए जाने की अनुशंसा की।

(ग) अध्यक्ष महोदय की अनुमति से समिति के सदस्य-सचिव के सुझाव दिया पर आगामी बैठकों में राजभाषा कार्यान्वयन पर व्याख्यान हेतु किसी प्रसिद्ध शख्सियत या साहित्यकार को आमंत्रित किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान की।

20. माननीय अध्यक्ष महोदय का उद्बोधन एवं आशीर्वचन।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में माननीय कुलपति यशवंत सिंह ठाकुर ने बताया कि कार्यालयों के दैनन्दिन कामकाज में राजभाषा हिन्दी के प्रयोग को निरंतर बढ़ावा देना समस्त केन्द्रीय कार्यालयों, उपक्रमों एवं बैकों का दायित्व है। राजभाषा का प्रभावी कार्यान्वयन तभी संभव है जबकि कार्यालयों के समस्त कार्मिक इसे अपना नैतिक दायित्व

मानते हए सामूहिक प्रयास करें। उन्होंने सदस्य कार्यालयों से आग्रह किया कि

राजभाषा कार्यान्वयन की छमाही रिपोर्ट को यथा-समय प्रेषित करें तथा क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, भोपाल एवं नराकास सचिवालय, सागर द्वारा समय-समय पर वांछित जानकारी को यथा समय भिजवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने समस्त कार्यालयों के प्रमुखों से यह भी आग्रह किया नराकास, सागर की गतिविधियों के सुचारू संचालन हेतु आपसी सहमति से निर्धारित सदस्यता शुल्क/अंशदान का भुगतान समय पर करवाने तथा धारा 3(3) के शत-प्रतिशत अनुपालन हेतु अपने अधीनस्थों को निदेशित करें।

माननीय अध्यक्ष महोदय ने राजभाषा कार्यान्वयन पर सार्थक चर्चा एवं विचार-विमर्श हेतु उपस्थित समस्त सदस्य कार्यालयों के प्रमुखों का आभार व्यक्त किया।

21. सदस्य-सचिव द्वारा धन्यवाद ज्ञापन एवं समापन।

बैठक के अंत में सदस्य–सचिव संतोष सोहगौरा ने समिति के माननीय अध्यक्ष प्रो. यशवंत सिंह ठाकुर, विशिष्ट अतिथि श्री नरेन्द्र सिंह मेहरा, समस्त सम्मानित सदस्यों, कार्यालय प्रमुखों एवं राजभाषा

अधिकारियों का आभार ज्ञापन किया। उन्होंने बताया कि नराकास, सागर की आगामी बैठक जून माह, 2026 में आयोजित की जायेगी।

22. संगीत विभाग, डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तुति।

बैठक के अंत में माननीय अध्यक्ष महोदय की अनुमति से संगीत विभाग, डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय द्वारा मनमोहक प्रस्तुति दी गई। संगीत विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. अवधेश प्रताप सिंह तोमर एवं डॉ. राहुल स्वर्णकार के कुशल मार्गदर्शन में नीलम मिश्रा, सौम्या बुधौलिया, स्तुति खम्परिया, अनुकृति रावत एवं अभिरुद्र तिवारी ने भजन एवं ग़ज़ल प्रस्तुत की। वाद्ययंत्रों पर संगति गगनराज एवं कनिष्क तिवारी की रही।

समस्त सदस्यों ने संगीतमय प्रस्तुति की सराहना की। समिति की ओर से माननीय अध्यक्ष महोदय, विशिष्ट अतिथि एवं सदस्य-सचिव द्वारा संगीत विभाग की टीम का पुष्पगुच्छ से अभिनंदन किया गया।

बैठक का उपस्थिति पत्रक

क्र.	सदस्य कार्यालय का नाम	कार्यालय प्रमुख	हिन्दी अधिकारी/प्रतिनिधि
		बैंक	
1	यूनियन बैंक ऑफ इंडिया	उपस्थित	
2	पंजाब नैशनल बैंक	उपस्थित	उपस्थित
3	सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया	उपस्थित	
4	भारतीय स्टेट बैंक	उपस्थित	उपस्थित
6	यूको बैंक	उपस्थित	उपस्थित
7	इंडियन बैंक	उपस्थित	उपस्थित
8	इंडियन ओवरसीज बैंक	उपस्थित	
9	बैंक ऑफ बड़ौदा	उपस्थित	

क्र.	सदस्य कार्यालय का नाम	कार्यालय प्रमुख	हिन्दी अधिकारी/प्रतिनिधि
11	बैंक ऑफ महाराष्ट्□		उपस्थित
21	केनरा बैंक		उपस्थित
	उपक्रम		
13	पॉवर ग्रिड का.ऑफ इं.लि.	उपस्थित	उपस्थित
14	भारतीय खाद्य निगम	उपस्थित	उपस्थित
51	भारत संचार निगम लिमिटेड		उपस्थित
61	दि □ू इंडिया ए□ोरेंस कं. लि.		उपस्थित
18	नेशनल इं□ोरेंस कं. लि.		उपस्थित
19	यूनाइटेड इंडिया इं□ोरेस कं. लि.		उपस्थित
02	भारतीय जीवन बीमा निगम	उपस्थित	
12	भारत पेट्□ोलियम कॉप□रेशन लिमिटेड, बीना	उपस्थित	उपस्थित
	कार्यालय		
23	कर्मचारी भवि□ निधि संगठन		उपस्थित
24	आकाशवाणी, सागर	उपस्थित	
52	केन्द्रीय विद्यालय क्र. 01	उपस्थित	उपस्थित
62	केन्द्रीय विद्यालय 02	उपस्थित	
72	केन्द्रीय विद्यालय 03	उपस्थित	उपस्थित

क्र.	सदस्य कार्यालय का नाम	कार्यालय प्रमुख	हिन्दी अधिकारी/प्रतिनिधि
28	केंद्रीय विद्यालय- 4	उपस्थित	उपस्थित
29	केन्द्रीय विद्यालय, □ाना		उपस्थित
30	केन्द्रीय विद्यालय, बीना		उपस्थित
31	जवाहर नवोदय विद्यालय, खुरई	उपस्थित	उपस्थित
32	डॉक्टर हरीसिंह गौर वि□विद्यालय	उपस्थित	उपस्थित
33	मौसम विज्ञान केंद्र	उपस्थित	
35	रेलवे स्टेशन		उपस्थित
36	केन्द्रीय संचार ब्यूरो (पूर्व नाम क्षेत्रीय प्रचार कार्यालय)	उपस्थित	
37	राष्ट्रीय प्रतिदर्श (सांख्यकीय) सर्वेक्षण कार्यालय मकरोनिया सागर	उपस्थित	उपस्थित
38	कार्यालय अधीक्षक, डाकघर	उपस्थित	
39	अधिशासी छावनी परिषद		उपस्थित

राजभाषा विभाग
गृह मंत्रालय
भारत सरकार

द्वितीय छमाही बैठक
(वर्ष 2025-26)

दिनांक : 17 नवम्बर, 2025 (सोमवार)
समय : मध्याह्न 12.00 बजे से
स्थान : होटल वरदान, 5 सिविल लाईन्स, सागर

कार्यसूची

वंदन, अभिनंदन एवं परिचय

1. मां सरस्वती एवं डॉ. गौर को पुष्पांजलि अर्पण कर बैठक का शुभारंभ।
2. संगीत विभाग, डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय द्वारा सरस्वती वंदना की प्रस्तुति।
3. माननीय अध्यक्ष एवं कुलपति महोदय प्रो. वाय. एस. ठाकुर का स्वागत।
4. विशिष्ट अतिथि श्री नरेन्द्र सिंह मेहरा, उप निदेशक (कार्यान्वयन), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (मध्य), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार का स्वागत।
5. सम्माननीय सदस्य कार्यालयाध्यक्षों एवं नए सदस्य कार्यालयाध्यक्षों का स्वागत एवं परिचय।

सदस्य कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन की समीक्षा एवं विचार-विमर्श

6. प्रथम छमाही बैठक के कार्यवाई प्रतिवेदन की पुष्टि।
7. सदस्य कार्यालयों की छमाही प्रगति रिपोर्ट (01 अप्रैल से 30 सितम्बर, 2025) की समीक्षा।
8. राजभाषा के वार्षिक कार्यक्रम 2025-26 पर चर्चा।
9. राजभाषा विभाग की सूचना प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से तिमाही प्रगति रिपोर्ट के प्रेषण पर चर्चा।
10. राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा(3) की सदस्य कार्यालयों में अनुपालन की स्थिति पर चर्चा।
11. सदस्य कार्यालयों में कुल स्वीकृत पदों के सापेक्ष हिन्दी पदों की स्थिति पर चर्चा।
12. सदस्य कार्यालयों की वेबसाइट को संवर्धित व द्विभाषी बनाने पर चर्चा।
13. सदस्य कार्यालयों में कम्प्यूटरों पर यूनिकोड के प्रयोग पर चर्चा।
14. हिन्दी संगोष्ठी/कार्यशाला/अतिथि व्याख्यान/प्रतियोगिताओं इत्यादि के आगामी आयोजन पर चर्चा।
15. नराकास, सागर की पत्रिका 'गौर दर्पण' हेतु सामग्री आमंत्रण एवं प्रकाशन पर चर्चा।
16. सदस्य कार्यालयों में आयोजित हिन्दी दिवस/पखवाड़ा 2025 की रिपोर्ट पर चर्चा।

प्रेरणा, प्रोत्साहन एवं आभार

17. गत छमाही में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले तीन सदस्य कार्यालयों (उपक्रम, बैंक एवं कार्यालय-प्रत्येक श्रेणी से एक) का सम्मान।
18. उप निदेशक (कार्यान्वयन), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (मध्य), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संबोधन, प्रेरणा एवं समीक्षा।
19. अध्यक्ष महोदय की अनुमति से अन्य किसी बिंदु पर चर्चा।
20. माननीय अध्यक्ष महोदय का उद्बोधन एवं आशीर्वचन।
21. सदस्य-सचिव द्वारा धन्यवाद ज्ञापन एवं समापन।
22. संगीत विभाग, डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तुति।

फोटो गैलरी

HOTEL VARDAAN

नगर राजभाषा कार्यान्वियन समिति (नराकास), सागर (म.प्र.)
राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार
द्वितीय छमाही बैठक

होटल वरदान, 5 सिविल लाइन्स, सागर (म.प्र.)
श्री नरेन्द्र सिंह मेहरा
प्रो. वाई. एस. ठाकुर

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), सागर (म.प्र.)
TOWN OFFICIAL LANGUAGE IMPLEMENTATION COMMITTEE (TOLIC), SAGAR (M.P.)
राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार
DEPARTMENT OF OFFICIAL LANGUAGE, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, GOVERNMENT OF INDIA
नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर
द्वितीय छमाही बैठक 2025-26
17 नवम्बर, 2025, सोमवार
होटल वरदान, 5 सिविल लाइन्स, सागर (म.प्र.)

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति
द्वितीय छमाही बैठक

प्रमुख गतिविधियाँ
प्रकाशन

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), सागर (म.प्र.)

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), सागर (म.प्र.)

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), सागर (म.प्र.)

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), सागर (म.प्र.)
17 नवम्बर, 2025, सोमवार

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), सागर (म.प्र.)

2025-26

17 नवम्बर, 2025, सोमवार

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), सागर (म.प्र.)
TOWN OFFICIAL LANGUAGE IMPLEMENTATION COMMITTEE (TOLIC), SAGAR (M.P)
राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार
17 नवम्बर, 2025, सोमवार

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), सागर (म.प्र.)
TOWN OFFICIAL LANGUAGE IMPLEMENTATION COMMITTEE (TOLIC), SAGAR (M.P.)
राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार
2025-26

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), सागर (म.प्र.)
TOWN OFFICIAL LANGUAGE IMPLEMENTATION COMMITTEE (TOLIC), SAGAR (M.P.)
राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार
राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर
द्वितीय छमाही बैठक 2025-26
17 नवम्बर, 2025, सोमवार

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), सागर (म.प्र.)
नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर
द्वितीय छमाही बैठक 2025-26
17 नवम्बर, 2025, सोमवार

समाचार पत्रों की कतरनें

दिनांक 17.11.2025

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर की बैठक आज

सागर, देशबन्धु। सचिवालय, नराकास, सागर राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार नगर स्थित केन्द्रीय बैंकों, उपक्रमों, कार्यालयों में राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की छमाही स्तर पर समीक्षा बैठक आयोजित की जाती हैं। सागर नगर की नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की वर्ष 2025-26 की द्वितीय छमाही बैठक आज मध्याह्न 12 बजे से डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के कुलपति एवं नराकास, सागर के अध्यक्ष प्रो. यशवंत सिंह ठाकुर की अध्यक्षता में सिविल लाइन्स स्थित होटल वरदान में आयोजित की जा रही है। उक्त बैठक में विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में नरेन्द्र सिंह मेहरा, उप निदेशक कार्यान्वयन, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय मध्य, राजभाषा विभाग गृह मंत्रालय भारत सरकार उपस्थित रहेंगे। समिति के सदस्य-सचिव एवं विश्वविद्यालय के संयुक्त कुलसचिव व राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने सागर एवं बीना के समस्त केन्द्रीय कार्यालयों, बैंकों, उपक्रमों के प्रमुखों से बैठक में अपनी सहभागिता अनिवार्यतः सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है ताकि केन्द्रीय कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन की प्रगामी प्रगति को बढ़ावा देने हेतु विचार विमर्श किया जा सके।

दिनांक 17.11.2025

न्यूज कार्नर

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आज

जागरण, सागर। राजभाषा विभाग गृह मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार नगर स्थित केन्द्रीय बैंकों/उपक्रमों/कार्यालयों में राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की छमाही स्तर पर समीक्षा बैठक आयोजित की जाती है। सागर नगर की नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की वर्ष 2025-26 की द्वितीय छमाही बैठक 17 नवम्बर को मध्याह्न 12 बजे से डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के कुलपति एवं नराकास अध्यक्ष प्रो.यशवंत सिंह ठाकुर की अध्यक्षता में सिविल लाइन्स स्थित होटल वरदान में आयोजित होगा। बैठक में विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में नरेन्द्र सिंह मेहरा उप निदेशक कार्यान्वयन क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय मध्य राजभाषा विभाग गृह मंत्रालय भारत सरकार उपस्थित रहेंगे। समिति के सदस्य सचिव एवं विश्वविद्यालय के संयुक्त कुलसचिव व राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने सागर एवं बीना के समस्त केन्द्रीय कार्यालयों/बैंकों/उपक्रमों के प्रमुखों से बैठक में अपनी सहभागिता अनिवार्यतः सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है ताकि केन्द्रीय कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन की प्रगामी प्रगति को बढ़ावा देने हेतु विचार-विमर्श किया जा सके।

दिनांक 17.11.2025

आचरण

संक्षिप्त समाचार

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर की बैठक आज

सागर,आचरण। सागर नगर की नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की वर्ष 2025-26 की द्वितीय छमाही बैठक आज दिनांक 17 नवम्बर, 2025 को मध्याह्न 12.00 बजे से डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के कुलपति एवं नराकास, सागर के अध्यक्ष प्रो. यशवंत सिंह ठाकुर की अध्यक्षता में सिविल लाइन्स, सागर स्थित होटल वरदान में आयोजित की जा रही है। उक्त बैठक में विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में नरेन्द्र सिंह मेहरा, उप निदेशक (कार्यान्वयन), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (मध्य), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार उपस्थित रहेंगे।

समिति के सदस्य-सचिव एवं विश्वविद्यालय के संयुक्त कुलसचिव व राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने सागर एवं बीना के समस्त केन्द्रीय कार्यालयों/बैंकों/उपक्रमों के प्रमुखों से बैठक में अपनी सहभागिता अनिवार्यतः सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है ताकि केन्द्रीय कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन की प्रगामी प्रगति को बढ़ावा देने हेतु विचार-विमर्श किया जा सके।

दैनिक भास्कर सागर 17-11-2025

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की द्वितीय बैठक आज

सागर | राजभाषा विभाग गृह मंत्रालय के निर्देशानुसार नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) की वर्ष 2025-26 की द्वितीय छह माही बैठक सोमवार को दोपहर 12 बजे होटल वरदान सिविल लाइंस में होगी। बैठक की अध्यक्षता डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के कुलपति व नराकास अध्यक्ष प्रो. यशवंत सिंह ठाकुर करेंगे। विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में उप निदेशक (कार्यान्वयन) नरेन्द्र सिंह मेहरा उपस्थित रहेंगे। समिति के सदस्य-सचिव एवं विश्वविद्यालय के संयुक्त कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने सागर व बीना के सभी केंद्रीय विभागों के प्रमुखों से अनिवार्य उपस्थिति का अनुरोध किया है।

दिनांक 17.11.2025

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आज

सागर : राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार नगर स्थित केन्द्रीय बैंकों/उपक्रमों/कार्यालयों में राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए नगर की नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की द्वितीय छमाही बैठक 17 नवंबर को दोपहर 12 बजे से सिविल लाइन्स स्थित होटल वरदान में होगी। डाक्टर हरीसिंह गौर विवि में कुलपति प्रो. यशवंत सिंह ठाकुर की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में नरेन्द्र सिंह मेहरा, उप निदेशक (कार्यान्वयन), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (मध्य), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार उपस्थित रहेंगे। राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने सागर एवं बीना के समस्त केन्द्रीय कार्यालयों/बैंकों/उपक्रमों के प्रमुखों से बैठक में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है। -नप्र

दिनांक 18.11.2025

पत्रिका

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

कार्यालयों के रोजाना कामकाज में राजभाषा हिंदी का करें प्रयोग

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. कार्यालयों के रोजाना कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को निरंतर बढ़ावा देना समस्त केंद्रीय कार्यालयों, उपक्रम एवं बैंकों का दायित्व है। राजभाषा का प्रभावी कार्यान्वयन तभी संभव है जबकि कार्यालयों के समस्त कर्मचारी इसे अपना नैतिक दायित्व मानते हुए सामूहिक प्रयास करें। यह बात नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की द्वितीय छमाही बैठक में सोमवार को डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. यशवंत सिंह ठाकुर ने कही। उन्होंने बताया कि राजभाषा कार्यान्वयन के लिए भारत सरकार की नीति प्रेरणा व प्रोत्साहन की नीति है। विशिष्ट अतिथि उप निदेशक नरेंद्र सिंह मेहरा राजभाषा प्रभावी कार्यान्वयन के सुझाव दिए। सचिव राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने सदस्य कार्यालयों की छमाही प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा की। उन्होंने कार्यालय में पत्राचार प्रतिशत, कार्यशाला एवं तिमाही बैठक, हिंदी पखवाड़े का आयोजन से बैंक श्रेणी से भारतीय स्टेट बैंक, उपक्रम श्रेणी से भारतीय खाद्य निगम व कार्यालय श्रेणी से विश्वविद्यालय को उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। बैठक में संगीत विभाग के विद्यार्थियों अभिरूद्र तिवारी, नीलम मिश्रा, सौम्या बुधौलिया, स्तुति खम्परिया, अनुकृति रावत, गगन राज एवं कनिष्क यादव ने डॉ. अवधेश तोमर एवं डॉ. राहुल स्वर्णकार के मार्गदर्शन में गायन की प्रस्तुति दी। संचालन राजभाषा प्रकोष्ठ के हिंदी अनुवादक अभिषेक सक्सेना ने किया। विशेष सहयोग विनोद रजक का रहा।

18/11/2025 | Sagar City | Page : 6
Source : https://epaper.patrika.com/

दैनिक भास्कर

सागर 18-11-2025

दैनिक कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को निरंतर बढ़ावा देना सभी कार्यालयों का दायित्व : प्रो. ठाकुर

विश्वविद्यालय : नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की दूसरी छमाही बैठक हुई

भास्कर संवाददाता | सागर

कार्यालयों के दैनिक कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को निरंतर बढ़ावा देना सभी केंद्रीय कार्यालयों, उपक्रमों एवं बैंकों का दायित्व है। राजभाषा का प्रभावी कार्यान्वयन तभी संभव है जब कार्यालयों के सभी कर्मचारी इसे अपना नैतिक दायित्व मानते हुए व्यावहारिक प्रयास करें। यह बात नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की वर्ष 2025-26 की दूसरी छमाही बैठक के दौरान अध्यक्षता करते हुए नराकास सागर के अध्यक्ष डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति प्रो. यशवंत सिंह ठाकुर ने कही।

विशिष्ट अतिथि केंद्रीय कार्यान्वयन कार्यालय राजभाषा विभाग भारत सरकार के उप निदेशक नरेंद्र सिंह मेहरा ने सदस्य कार्यालयों को राजभाषा नियमों से अवगत कराया तथा उनके प्रभावी कार्यान्वयन के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

नराकास के सदस्य सचिव एवं विवि के संयुक्त कुलसचिव व राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने सदस्य व कार्यालयों की छमाही प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा की। उन्होंने कहा राजभाषा विभाग भारत सरकार द्वारा जारी राजभाषा के वार्षिक कार्यक्रम का अनुपालन सुनिश्चित करना सभी केंद्रीय कार्यालयों, बैंकों, उपक्रमों का दायित्व है। उन्होंने कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन की दिशा में आ रही समस्याओं का भी समाधान किया। विश्वविद्यालय के संगीत विभाग के विद्यार्थियों अनिरुद्ध तिवारी, नीरज मिश्रा, सौम्या कुशवाहा, सृष्टि सम्मीया, अनुभूति राय, गगन राय एवं कौशिक यादव ने डॉ. अवधेश तोमर एवं डॉ. राहुल स्वर्णकार के मार्गदर्शन में गायन की प्रस्तुति दी। बैठक में 40 से अधिक कार्यालयों के प्रमुख एवं राजभाषा अधिकारीगण उपस्थित रहे। संचालन अभिषेक उपाध्याय ने किया। आभार विवेक राय का रहा। बैंक श्रेणी में भारतीय स्टेट बैंक, उपक्रम श्रेणी में भारतीय खाद्य निगम तथा कार्यालय श्रेणी में डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय को उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। संतोष सोहगौरा को उत्कृष्ट प्रशासनिक सेवा एवं राजभाषा कार्यान्वयन के लिए सम्मानित किया गया।

राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक: प्रो. कुलपति

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की द्वितीय छमाही बैठक संपन्न

● सागर / आरएनएन

कार्यालयों के दैनन्दिन कामकाज में राजभाषा हिन्दी के प्रयोग को निरंतर बढ़ावा देना समस्त केन्द्रीय कार्यालयों उपक्रमों एवं बैकों का दायित्व है। राजभाषा का प्रभावी कार्यान्वयन तभी संभव है जबकि कार्यालयों के समस्त कार्मिक इसे अपना नैतिक दायित्व मानते हुए सामूहिक प्रयास करें। यह बात नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की वर्ष 2025-26 की द्वितीय छमाही बैठक के दौरान अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में नराकास सागर के अध्यता एवं डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो यशवंत सिंह ठाकुर ने कही। बैठक में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित नरेन्द्र सिंह मेहरा, उप निदेशक कार्यान्वयन क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय ने राजभाषा नियमों से अवगत कराया तथा उनके प्रभावी कार्यान्वयन के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने बताया कि राजभाषा कार्यान्वयन के लिए भारत सरकार की नीति प्रेरणा व प्रोत्साहन की नीति है। इस अवसर पर नराकास के सदस्य सचिव एवं डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संयुक्त कुलसचिव व राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने सदस्य कार्यालयों की छमाही प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा की। उन्होंने समस्त कार्यालयों से यथासमय छमाही प्रगति रिपोर्ट नराकास सचिवालय को उपलब्धं करवाने तथा नराकास सागर की पत्रिका के प्रकाशन के लिए सामग्री उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। विश्वविद्यालय के संगीत विभाग के विद्यार्थियों अभिरुद्र तिवारी, नीलम मिश्रा, सौम्याश बुधौलिया, स्तुति खम्परिया, अनुकृति रावत, गगन राज एवं कनिष्कि यादव ने मनमोहक गायन की प्रस्तुति की जिसकी सराहना समस्त श्रोताओं ने की। बैठक में केन्द्रीय कार्यालयों उपक्रमों एवं बैकों के प्रमुख एवं राजभाषा अधिकारीगण उपस्थित रहे। बैठक का संचालन विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ व के हिन्दी अनुवादक अभिषेक सक्सेना ने किया। विशेष सहयोग राजभाषा प्रकोष्ठ के उच्च श्रेणी लिपिक विनोद रजक का रहा।

दिनांक 18.11.2025

दैनिक दबंग बुन्देलखण्ड सच का साहस.......
सागर
टीकमगढ़, मंगलवार 18 नवम्बर 2025
2

राजभाषा के प्रभावी कार्यान्व्यन हेतु सामूहिक प्रयास आवश्यक : प्रो. वाय.एस. ठाकुर

– नगर राजभाषा कार्यान्वरयन समिति की द्वितीय छमाही बैठक सम्पन्न

दबंग बुन्देलखण्ड

सागर। कार्यालयों के दैनन्दिन कामकाज में राजभाषा हिन्दी के प्रयोग को निरंतर बढ़ावा देना समस्त केन्द्रीय कार्यालयों, उपक्रमों एवं बैंकों का दायित्व है। राजभाषा का प्रभावी कार्यान्वयन तभी संभव है जबकि कार्यालयों के समस्त कार्मिक इसे अपना नैतिक दायित्व मानते हुए सामूहिक प्रयास करें। यह बात नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की वर्ष 2025-26 की द्वितीय छमाही बैठक के दौरान अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में नराकास, सागर के अध्यक्ष एवं डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. यशवंत सिंह ठाकुर ने कही।

प्रेरणा और प्रोत्साहन राजभाषा नीति के आधार : नरेन्द्र सिंह मेहरा

बैठक में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित नरेन्द्र सिंह मेहरा, उप निदेशक (कार्यान्वयन), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने सदस्य कार्यालयों को राजभाषा नियमों से अवगत कराया तथा उनके प्रभावी कार्यान्वयन हेतु महत्त्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्हों ने बताया कि राजभाषा कार्यान्वयन के लिए भारत सरकार की नीति प्रेरणा व प्रोत्साहन की नीति है। अध्यक्ष का आभार व्यक्त करते हुए श्री मेहरा ने कहा कि आपके यशस्वी् नेतृत्व में नराकास, सागर निःसंदेह ही भारत की अग्रणी नराकास के रूप में अपनी पहचान बनायेगी।

राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु प्रगति प्रतिवेदन की सतत समीक्षा आवश्यक : संतोष सोहगौरा

इस अवसर पर नराकास के सदस्य-सचिव एवं डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संयुक्त कुलसचिव व राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने सदस्य व कार्यालयों की छमाही प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा करते हुए कहा कि राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी राजभाषा के वार्षिक कार्यक्रम का अनुपालन सुनिश्चित करना सभी केन्द्रीय कार्यालयों/बैंकों/उपक्रमों का दायित्व है। सदस्य कार्यालयों के पदाधिकारियों से चर्चा करते हुए श्री सोहगौरा ने कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन की दिशा में आ रही समस्या?ओं का भी समाधान किया। उन्होंने समस्त कार्यालयों से यथासमय छमाही प्रगति रिपोर्ट नराकास सचिवालय को उपलब्ध करवाने तथा नराकास, सागर की पत्रिका के प्रकाशन हेतु सामग्री उपलब्ध करवाने का अनुरोध किया। सदस्य-सचिव ने बताया कि विगत छमाही के प्रगति प्रतिवेदन के आधार पर समस्त कार्यालयों की राजभाषा प्रगति का मूल्यांकन गया। कार्यालय में पत्राचार प्रतिशत, कार्यशाला एवं तिमाही बैठकों का आयोजन, हिन्दी पखवाड़े का आयोजन तथा हिन्दी टिप्पण की स्थिति आदि का अवलोकन करते हुए बैंक श्रेणी से भारतीय स्?टेट बैंक, उपक्रम श्रेणी से भारतीय खाद्य निगम तथा कार्यालय श्रेणी से डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर को ह्यउत्कृष्टता पुरस्कारह्न से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के संयुक्त कुलसचिव एवं राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा को उत्कृ?ट प्रशासनिक सेवा एवं राजभाषा कार्यान्व्यन हेतु मध्य प्रदेश शासन एवं जिला प्रशासन, सागर द्वारा सम्मानित किए जाने पर नराकास के सभी सदस्यों , विशिष्ट अतिथि एवं अध्यक्ष द्वारा शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय के संगीत विभाग के विद्यार्थियों अभिरुद्र तिवारी, नीलम मिश्रा, सौम्या बुधौलिया, स्तुति खम्परिया, अनुकृति रावत, गगन राज एवं कनिष्क यादव ने डॉ. अवधेश तोमर एवं डॉ. राहुल स्वर्णकार के मार्गदर्शन में मनमोहक गायन की प्रस्तुति की जिसकी सराहना समस्त श्रोताओं ने की। ध्यातव्य है कि नगर राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा देशभर में स्थित केन्द्र सरकार के विभिन्न कार्यालयों, उपक्रमों, बैंकों आदि में राजभाषा नीति के कार्यान्वयन हेतु एक साझा मंच के रूप में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों का गठन किया जाता है। उक्त क्रम में राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सागर नगर स्थित केन्द्रीय कार्यालयों/ बैंकों/उपक्रमों आदि में राजभाषा नीति के कार्यान्वयन हेतु नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर का गठन किया गया है। जिसकी अध्यक्षता का दायित्व विश्वविद्यालय के कुलपति को सौंपी गयी है। उक्त बैठक में भारतीय स्टेट बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, यूको बैंक, इंडियन बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, इंडियन ओवरसीज बैंक, केनरा बैंक, पावरग्रिड ऑफ इंडिया लिमिटेड, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लि., भारतीय खाद्य निगम, भारत संचार निगम लिमिटेड, केन्द्रीय संचार ब्यूरो, यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी, दि न्यू इंडिया इंश्योरेंश कं. लि., भारतीय जीवन बीमा निगम, आकाशवाणी, कार्यालय अधीक्षक, डाकघर, अधिशासी, छावनी परिषद, सागर एवं बीना नगर के समस्त केन्द्रीय विद्यालय, जवाहर नवोदय विद्यालय, मौसम विज्ञान विभाग, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन एवं राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय सहित 40 से अधिक कार्यालयों के प्रमुख एवं राजभाषा अधिकारीगण उपस्थित रहे। बैठक का संचालन विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ के हिन्दी अनुवादक अभिषेक सक्सेसना ने किया। विशेष सहयोग राजभाषा प्रकोष्ठ के उच्च श्रेणी लिपिक विनोद रजक का रहा।

दिनांक 18.11.2025

नगर राजभाषा कार्यान्वरयन समिति की द्वितीय छमाही बैठक सम्पन्न

राजभाषा के प्रभावी कार्यान्व्यन हेतु सामूहिक प्रयास आवश्यक : प्रो. वाय.एस. ठाकुर

दैनिक प्रदेश वॉच सागर संवाददाता। कार्यालयों के दैनन्दिन कामकाज में राजभाषा हिन्दी के प्रयोग को निरंतर बढ़ावा देना समस्त केन्द्रीय कार्यालयों, उपक्रमों एवं बैकों का दायित्व है। राजभाषा का प्रभावी कार्यान्वयन तभी संभव है जबकि कार्यालयों के समस्त कार्मिक इसे अपना नैतिक दायित्व मानते हए सामूहिक प्रयास करें। यह बात नगर राजभाषा कार्यान्वियन समिति की वर्ष 2025-26 की द्वितीय छमाही बैठक के दौरान अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में नराकास, सागर के अध्यक्ष एवं डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. यशवंत सिंह ठाकुर ने कही। प्रेरणा और प्रोत्साहन राजभाषा नीति के आधार = नरेन्द्र सिंह मेहराबैठक में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित श्री नरेन्द्र सिंह मेहरा, उप निदेशक (कार्यान्वयन), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने सदस्य कार्यालयों को राजभाषा नियमों से अवगत कराया तथा उनके प्रभावी कार्यान्वयन हेतु महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्हों ने बताया कि राजभाषा कार्यान्वयन के लिए भारत सरकार की नीति प्रेरणा व प्रोत्साहन की नीति है। माननीय अध्यक्ष महोदय का आभार व्यक्त करते हुए श्री मेहरा ने कहा कि आपके यशस्वी् नेतृत्व में नराकास, सागर निस्संदेह ही भारत की अग्रणी नराकास के रूप में अपनी पहचान बनायेगी। राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु प्रगति प्रतिवेदन की सतत समीक्षा आवश्यक = संतोष सोहगौरा इस अवसर पर नराकास के सदस्य-सचिव एवं डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संयुक्त कुलसचिव व राजभाषा अधिकारी श्री संतोष सोहगौरा ने सदस्यव कार्यालयों की छमाही प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा करते हुए कहा कि राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी राजभाषा के वार्षिक कार्यक्रम का अनुपालन सुनिश्चित करना सभी केन्द्रीय कार्यालयों/बैंकों/उपक्रमों का दायित्व है। सदस्य कार्यालयों के पदाधिकारियों से चर्चा करते हुए श्री सोहगौरा ने कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन की दिशा में आ रही

समस्या?ओं का भी समाधान किया। उन्होंने समस्त कार्यालयों से यथासमय छमाही प्रगति रिपोर्ट नराकास सचिवालय को उपलब्ध करवाने तथा नराकास, सागर की पत्रिका के प्रकाशन हेतु सामग्री उपलब्ध करवाने का अनुरोध किया। राजभाषा उन्नयन की दिशा में उत्कृष्ट योगदान हेतु कार्यालय सम्मानित सदस्य-सचिव ने बताया कि विगत छमाही के प्रगति प्रतिवेदन के आधार पर समस्त कार्यालयों की राजभाषा प्रगति का मूल्यांकन गया। कार्यालय में पत्राचार प्रतिशत, कार्यशाला एवं तिमाही बैठकों का आयोजन, हिन्दी पखवाड़े का आयोजन तथा हिन्दी टिप्पण की स्थिति आदि का अवलोकन करते हुए बैंक श्रेणी से भारतीय स्?टेट बैंक, उपक्रम श्रेणी से भारतीय खाद्य निगम तथा कार्यालय श्रेणी से डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर को 'उत्कृ्ष्टता पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के संयुक्त कुलसचिव एवं राजभाषा अधिकारी श्री संतोष सोहगौरा को उत्कृ?ष्ट प्रशासनिक सेवा एवं राजभाषा कार्यान्व्यन हेतु मध्य प्रदेश शासन एवं जिला प्रशासन, सागर द्वारा सम्मानित किए जाने पर नराकास के सभी सदस्यों , विशिष्ट अतिथि एवं माननीय अध्यक्ष महोदय द्वारा शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय के संगीत विभाग के विद्यार्थियों द्वारा मनमोहक गायन प्रस्तुति विश्वविद्यालय के संगीत विभाग के विद्यार्थियों अभिरुद्र तिवारी, नीलम मिश्रा, सौम्या बुधौलिया, स्तुति खम्परिया, अनुकृति रावत, गगन राज एवं कनिष्क यादव ने डॉ. अवधेश तोमर एवं डॉ. राहुल स्वर्णकार के मार्गदर्शन में मनमोहक गायन की प्रस्तुति की जिसकी सराहना समस्त श्रोताओं ने की। ध्यात्तव्य है कि नगर राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा देशभर में स्थित केन्द्र सरकार के विभिन्न् कार्यालयों, उपक्रमों, बैंकों आदि में राजभाषा नीति के कार्यान्वयन हेतु एक साझा मंच के रूप में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों का गठन किया जाता है। उक्त क्रम में राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सागर नगर स्थित केन्द्रीय कार्यालयों/ बैंकों/उपक्रमों आदि में राजभाषा नीति के कार्यान्वयन हेतु नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर का गठन किया गया है।

दिनांक 18.11.2025

राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु सामूहिक प्रयास आवश्यकक : प्रो. वाय.एस. ठाकुर

सागर(एसबीन्यूज) । कार्यालयों के दैनन्दिन कामकाज में राजभाषा हिन्दीब के प्रयोग को निरंतर बढ़ावा देना समस्त केन्द्रीवय कार्यालयों, उपक्रमों एवं बैंकों का दायित्वै है। राजभाषा का प्रभावी कार्यान्व यन तभी संभव है जबकि कार्यालयों के समस्तत कार्मिक इसे अपना नैतिक दायित्वद मानते हुए सामूहिक प्रयास करें। यह बात नगर राजभाषा कार्यान्व यन समिति की वर्ष 2025-26 की द्वितीय छमाही बैठक के दौरान अपने अध्य क्षीय उद्बोधन में नराकास, सागर के अध्यतक्ष एवं डॉक्टरर हरीसिंह गौर विश्वपविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. यशवंत सिंह ठाकुर ने कही।

प्रेरणा और प्रोत्सालहन राजभाषा नीति के आधार : नरेन्द्र सिंह मेहरा

बैठक में विशिष्ट् अतिथि के रूप में उपस्थित नरेन्द्रन सिंह मेहरा, उप निदेशक (कार्यान्वएयन), क्षेत्रीय कार्यान्ववयन कार्यालय(मध्ये), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने सदस्यं कार्यालयों को राजभाषा नियमों से अवगत कराया तथा उनके प्रभावी कार्यान्वधयन हेतु महत्व पूर्ण सुझाव दिए। उन्हों ने बताया कि राजभाषा कार्यान्व्यन के लिए भारत सरकार की नीति प्रेरणा व प्रोत्सांहन की नीति है। माननीय अध्य क्ष महोदय का आभार व्ययक्ता करते हुए मेहरा ने कहा कि आपके यशस्वीर नेतृत्व में नराकास, सागर नि:संदेह ही भारत की अग्रणी नराकास के रूप में अपनी पहचान बनायेगी।

राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु प्रगति प्रतिवेदन की सतत समीक्षा आवश्यक : संतोष सोहगौरा । इस अवसर पर नराकास के सदस्य्-सचिव एवं डॉक्टरर हरीसिंह गौर विश्वि्वद्यालय के संयुक्ता कुलसचिव व राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने सदस्यव कार्यालयों की छमाही प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा करते हुए कहा कि राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारी जारी राजभाषा के वार्षिक कार्यक्रम का अनुपालन सुनिश्चित करना सभी केन्द्री य कार्यालयों/बैंकों/उपक्रमों का दायित्वा है। सदस्यक कार्यालयों के पदाधिकारियों से चर्चा करते हुए सोहगौरा ने कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वकयन की दिशा में आ रही समस्याओं का भी समाधान किया। उन्होंने समस्त कार्यालयों से यथासमय छमाही प्रगति रिपोर्ट नराकास सचिवालय को उपलब्धं करवाने तथा नराकास, सागर की पत्रिका के प्रकाशन हेतु सामग्री उपलब्धर करवाने का अनुरोध किया। राजभाषा उन्नेयन की दिशा में उत्कृ ष्टक योगदान हेतु कार्यालय सम्माकनित

सदस्यन-सचिव ने बताया कि विगत छमाही के प्रगति प्रतिवेदन के आधार पर समस्तक कार्यालयों की राजभाषा प्रगति का मूल्यां्कन किया गया। बैठक का संचालन विश्व विद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठव के हिन्दी अनुवादक अभिषेक सक्सेीना ने किया। विशेष सहयोग राजभाषा प्रकोष्ठि के उच्चअ श्रेणी लिपिक विनोद रजक का रहा।

दिनांक 18.11.2025

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की द्वितीय छमाही बैठक संपन्न

राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु सामूहिक प्रयास आवश्यकः प्रो. वायएस ठाकुर

सागर, देशबन्धु। सोमवार को कार्यालयों के कामकाज में राजभाषा हिन्दी के प्रयोग को निरंतर बढ़ावा देना समस्त केन्द्रीय कार्यालयों, उपक्रमों एवं बैंकों का दायित्व है। राजभाषा का प्रभावी कार्यान्वयन तभी संभव है जबकि कार्यालयों के समस्त कार्मिक इसे अपना नैतिक दायित्व मानते हुये सामूहिक प्रयास करें। यह बात नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की वर्ष 2025-26 की द्वितीय छमाही बैठक के दौरान अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में नराकास, सागर के अध्यक्ष एवं डॉ. हरीसिंह गौर विवि के कुलपति प्रो. यशवंत सिंह ठाकुर ने कही। नरेन्द्र सिंह मेहरा उप निदेशक कार्यान्वयन, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय मध्य, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार बैठक में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे उन्होंने सदस्य कार्यालयों को राजभाषा नियमों से अवगत कराया तथा उनके प्रभावी कार्यान्वयन हेतु महत्वपूर्ण सुझाव दिये। अध्यक्ष का आभार व्यक्त करते हुये मेहरा ने कहा कि आपके यशस्वी नेतृत्व में नराकास, सागर निःसंदेह ही भारत की अग्रणी नराकास के रूप में अपनी पहचान बनायेगी।

राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु प्रगति प्रतिवेदन की सतत समीक्षा आवश्यकः संतोष सोहगौरा

इस अवसर पर नराकास के सदस्य सचिव एवं डॉ. हरीसिंह गौर विवि के संयुक्त कुलसचिव व राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने सदस्य कार्यालयों की छमाही प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा करते हुये कहा कि राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी राजभाषा के वार्षिक कार्यक्रम का अनुपालन सुनिश्चित करना सभी केन्द्रीय कार्यालयों, बैंकों, उपक्रमों का दायित्व है। सदस्य कार्यालयों के पदाधिकारियों से चर्चा करते हुये सोहगौरा ने कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन की दिशा में आ रही समस्याओं का भी समाधान किया। उन्होंने समस्त कार्यालयों से यथा समय छमाही प्रगति रिपोर्ट नराकास सचिवालय को उपलब्ध करवाने तथा नराकास, सागर की पत्रिका के प्रकाशन हेतु सामग्री उपलब्ध करवाने का अनुरोध किया। सदस्य सचिव ने बताया कि विगत छमाही के प्रगति प्रतिवेदन के आधार पर समस्त कार्यालयों की राजभाषा प्रगति का मूल्यांकन किया गया। कार्यालय में पत्राचार प्रतिशत, कार्यशाला एवं तिमाही बैठकों का आयोजन हिन्दी पखवाड़े का आयोजन तथा हिन्दी टिप्पण की स्थिति आदि का अवलोकन करते हुये बैंक श्रेणी से भारतीय स्टेट बैंक, उपक्रम श्रेणी से भारतीय खाद्य निगम तथा कार्यालय श्रेणी से डॉ. हरीसिंह गौर विवि को उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विवि के संयुक्त कुलसचिव एवं राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा को उत्कृष्ट प्रशासनिक सेवा एवं राजभाषा कार्यान्वयन हेतु मप्र शासन एवं जिला प्रशासन, सागर द्वारा सम्मानित किये जाने पर नराकास के सभी सदस्यों, विशिष्ट अतिथि एवं अध्यक्ष द्वारा शुभकामनायें प्रेषित करते हुये सम्मानित किया। विवि के संगीत विभाग के विद्यार्थियों द्वारा मनमोहक गायन प्रस्तुति। जिसकी सराहना समस्त श्रोताओं ने की। नगर राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा देशभर में स्थित केन्द्र सरकार के विभिन्न कार्यालयों, उपक्रमों, बैंकों आदि में राजभाषा नीति के कार्यान्वयन हेतु एक साझा मंच के रूप में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति का गठन किया गया है जिसकी अध्यक्षता का दायित्व डॉ. हरीसिंह गौर विवि के कुलपति को सौंपी गयी है। उक्त बैठक में 40 से अधिक कार्यालयों के प्रमुख एवं राजभाषा अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक का संचालन विवि के राजभाषा प्रकोष्ठ के हिन्दी अनुवादक अभिषेक सक्सेना ने किया। विशेष सहयोग राजभाषा प्रकोष्ठ के उच्च श्रेणी लिपिक विनोद रजक का रहा।

लि.) प्लाट नं. 36 इंडस्ट्रीयल एरिया सागर म.प्र. सागर से मुद्रित एवं 56 अग्रवाल बिल्डिंग एक्सिस बैंक के पीछे 10 सिविल लाईन्स, सागर मप्र से प्रकाशित, संपादकः **पलाश सुरजन**, कार्यकारी संपादकः **ज़ाकिर अली** *
2-228742 ई-मेल, deshbandhusgr@yahoo.in **प्रेस पंजीयन**- MPHIN/2016/69061 समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

दिनांक 18.11.2025

राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु सामूहिक प्रयास आवश्यक: कुलपति

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की द्वितीय छमाही बैठक सम्पन्न

आचरण संवाददाता

सागर। कार्यालयों के दैनन्दिन कामकाज में राजभाषा हिन्दी के प्रयोग को निरंतर बढ़ावा देना समस्त केन्द्रीय कार्यालयों, उपक्रमों एवं बैंकों का दायित्व है। राजभाषा का प्रभावी कार्यान्वयन तभी संभव है जबकि कार्यालयों के समस्तकार्मिक इसे अपना नैतिक दायित्व मानते हुए सामूहिक प्रयास करें। यह बात नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की वर्ष 2025-26 की द्वितीय छमाही बैठक के दौरान अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में सागर के अध्यक्ष एवं डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. यशवंत सिंह ठाकुर ने कही।

प्रेरणा और प्रोत्साहन राजभाषा नीति के आधार : नरेन्द्र सिंह मेहरा

बैठक में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित नरेन्द्र सिंह मेहरा, उप निदेशक (कार्यान्वयन), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (मध्य), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने सदस्य कार्यालयों को राजभाषा नियमों से अवगत कराया तथा उनके प्रभावी कार्यान्वयन हेतु महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने बताया कि राजभाषा कार्यान्वयन के लिए भारत सरकार की नीति प्रेरणा व प्रोत्साहन की नीति है। अध्यक्ष का आभार व्यक्त करते हुए मेहरा ने कहा कि आपके नेतृत्व में नराकास, सागर निःसंदेह ही भारत की अग्रणी नराकास के रूप में अपनी पहचान बनायेगी।

राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु प्रगति प्रतिवेदन की सतत समीक्षा आवश्यक : संतोष सोहगौरा

इस अवसर पर नराकास के सदस्य सचिव एवं डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संयुक्त कुलसचिव व राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने सदस्य कार्यालयों की छमाही प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा करते हुए कहा कि राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी राजभाषा के वार्षिक कार्यक्रम का अनुपालन सुनिश्चित करना सभी केन्द्रीय कार्यालयों/बैंकों/उपक्रमों का दायित्व है। सदस्य कार्यालयों के पदाधिकारियों से चर्चा करते हुए श्री सोहगौरा ने कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन की दिशा में आ रही समस्याओं का भी समाधान किया। उन्होंने समस्त कार्यालयों से यथासमय छमाही प्रगति रिपोर्ट नराकास सचिवालय को उपलब्ध करवाने तथा नराकास, सागर की पत्रिका के प्रकाशन हेतु

सामग्री उपलब्ध करवाने का अनुरोध किया।

राजभाषा उन्नयन की दिशा में उत्कृष्ट योगदान हेतु कार्यालय सम्मानित

सदस्य-सचिव ने बताया कि विगत छमाही के प्रगति प्रतिवेदन के आधार पर समस्त कार्यालयों की राजभाषा प्रगति का मूल्यांकन किया गया। कार्यालय में पत्राचार प्रतिशत, कार्यशाला एवं तिमाही बैठकों का आयोजन, हिन्दी पखवाड़े का आयोजन तथा हिन्दी टिप्पण की स्थिति आदि का अवलोकन करते हुए बैंक श्रेणी से भारतीय स्टेट बैंक, उपक्रम श्रेणी से भारतीय खाद्य निगम तथा कार्यालय श्रेणी से डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर को 'उत्कृष्टता पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के संयुक्त कुलसचिव एवं राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा को उत्कृष्ट प्रशासनिक सेवा एवं राजभाषा कार्यान्वयन हेतु मध्यप्रदेश शासन एवं जिला प्रशासन, सागर द्वारा सम्मानित किए जाने पर नराकास के सभी सदस्यों, विशिष्ट अतिथि एवं अध्यक्ष द्वारा शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए सम्मानित किया गया।

विश्वविद्यालय के संगीत विभाग के विद्यार्थियों द्वारा मनमोहक गायन प्रस्तुमति

विश्वविद्यालय के संगीत विभाग के विद्यार्थियों अनिरुद्ध तिवारी, नीलम मिश्रा, सौम्यता बुंदेलिया, स्तुति सम्परिया, अनुकृति रावत, गगन राज एवं कनिष्क यादव ने डॉ. अवधेश तोमर एवं डॉ. राहुल स्वर्णकार के मार्गदर्शन में मनमोहक गायन की प्रस्तुति की जिसकी सराहना समस्त श्रोताओं ने की। ध्यातव्य है कि नगर राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा देशभर में स्थित केन्द्र सरकार के विभिन्न कार्यालयों, उपक्रमों, बैंकों आदि में राजभाषा नीति के कार्यान्वयन हेतु एक साझा मंच के रूप में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों का गठन किया जाता है। उसके क्रम में राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सागर नगर स्थित केन्द्रीय कार्यालयों/ बैंकों/उपक्रमों आदि में राजभाषा नीति के कार्यान्वयन हेतु नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर का गठन किया गया है जिसकी अध्यक्षता का दायित्व डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के कुलपति को सौंपा गया है।

उक्त बैठक में भारतीय स्टेट बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, यूको बैंक, इंडियन बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, इंडियन ओवरसीज बैंक, केनरा बैंक, पावरग्रिड ऑफ इंडिया लिमिटेड, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लि., भारतीय खाद्य निगम, भारत संचार निगम लिमिटेड, केन्द्रीय संचार ब्यूरो, यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी, दि न्यू इंडिया इंश्योरेंस कं. लि., भारतीय जीवन बीमा निगम, आकाशवाणी, कार्यालय अधीक्षक, डाकघर, अधिशासी, छावनी परिषद, सागर एवं बीना नगर के समस्त केन्द्रीय विद्यालय, जवाहर नवोदय विद्यालय, मौसम विज्ञान विभाग, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन एवं राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय सहित 40 से अधिक कार्यालयों के प्रमुख एवं राजभाषा अधिकारीगण उपस्थित रहे। बैठक का संचालन विश्व विद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ के हिन्दी अनुवादक अभिषेक सक्सेना ने किया। विशेष सहयोग राजभाषा प्रकोष्ठ के उच्च श्रेणी लिपिक विनोद रजक का रहा।

सचिवालय
नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर (म.प्र.)
राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार

संतोष सोहगौरा
सदस्य–सचिव
संयुक्त कुलसचिव एवं प्रभारी राजभाषा अधिकारी
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

ई–मेल : tolic.sagar@dhsgsu.edu.in
दूरभाष : 07582-297118
नराकास कोड : 247
मोबाइल नं. : 9479398600

क्र.: नराकास, सागर/2025/छ.बै./46   दिनांक : अक्टूबर, 2025 01 नवम्बर, 2025

प्रतिष्ठा में,

समस्त सम्माननीय कार्यालय प्रमुख
सदस्य कार्यालय
नराकास, सागर (म.प्र.)

विषय : नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर की वर्ष 2025-26 की द्वितीय छमाही बैठक दिनांक 17 नवम्बर, 2025 (सोमवार) को आयोजित किये जाने के संबंध में।

महोदय/महोदया,

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली से प्राप्त दिशा-निर्देशानुसार नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर की वर्ष 2025-26 की द्वितीय छमाही बैठक नराकास, सागर के अध्यक्ष एवं डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के **माननीय कुलपति प्रो. वाय. एस. ठाकुर की अध्यक्षता** में आयोजित की जा रही है।

उक्त बैठक में विशिष्ट अतिथि के रूप में **श्री नरेन्द्र सिंह मेहरा, उप निदेशक (कार्यान्वयन),** क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (मध्य), भोपाल, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार उपस्थित रहेंगे।

- **बैठक की तिथि : 17 नवम्बर, 2025 (सोमवार)**
- **समय : मध्याह्न 12.00 बजे से**
- **बैठक स्थल : वरदान होटल, सिविल लाईन्स, सागर (म.प्र.)**

अतः नराकास, सागर के समस्त सम्माननीय कार्यालय प्रमुखों/सदस्यगणों से अनुरोध है कि जिन सदस्य कार्यालयों द्वारा गत छमाही (01 अप्रैल, 2025 से 30 सितम्बर, 2025) का राजभाषा प्रगति प्रतिवेदन प्रेषित नहीं किया है वह प्रगति प्रतिवेदन एवं वार्षिक सदस्यता शुल्क से संबंधित विवरण भी साथ में उपलब्ध करवाने का अनुरोध है।

कृपया अपने कार्यालय के राजभाषा अधिकारी अथवा राजभाषा का कार्य देख रहे किसी एक अधिकारी/कर्मचारी सहित अनिवार्य रूप से बैठक में उपस्थित होने का कष्ट करें।

भवदीय,
(संतोष सोहगौरा)
01/11/25

प्रतिलिपि- सूचनार्थ
1. मान. अध्यक्ष, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति एवं कुलपति, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र)।
2. उप सचिव (कार्यान्वयन), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।
3. श्री नरेन्द्र सिंह मेहरा, उप निदेशक (कार्यान्वयन) क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (मध्य), भोपाल (म.प्र.)।
4. श्री अजय कुमार झा, उप निदेशक (राजभाषा), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।
5. संयुक्त सचिव (राजभाषा), विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।
6. समस्त कार्यालयाध्यक्ष, सदस्य कार्यालय, नराकास, सागर।
7. प्रभारी, सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ, डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर – कृपया विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड करने हेतु।
8. प्रभारी जनसंपर्क अधिकारी, डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)- कृपया प्रचार-प्रसार हेतु।
9. प्रभारी सुरक्षा अधिकारी, डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)।
10. कुलसचिव के निजी सहायक, डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)।
11. माननीय कुलपति जी के निज सचिव, डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.) ।
12. गार्ड फाइल।

विशेष अनुरोध - कृपया समय का विशेष ध्यान रखते हुए बैठक प्रारम्भ होने के 15 मिनिट पूर्व अपना स्थान अवश्य ग्रहण करें।

'हिंदी में पत्राचार हो, हिंदी में हर व्यवहार हो, बोलचाल में हिंदी ही अभिव्यक्ति का आधार हो।'

सचिवालय
नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर (म.प्र.)
राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार

संतोष सोहगौरा
सदस्य–सचिव
संयुक्त कुलसचिव एवं प्रभारी राजभाषा अधिकारी
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

ई–मेल : **tolic.sagar@dhsgsu.edu.in**
दूरभाष : **07582-297118**
नराकास कोड : **247**
मोबाइल नं. : 9479398600

क्र.: नराकास, सागर/2025/ 40 दिनांक : 11 सितम्बर, 2025

।। अधिसूचना।।

विषय: विश्वविद्यालय के माननीय प्रो. वाय.एस. ठाकुर, कुलपति (कार्य.) द्वारा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर के अध्यक्ष के दायित्वों के निर्वहन के संबंध में।

निवर्तमान नराकास अध्यक्ष एवं विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता का कार्यकाल दिनांक 06 सितम्बर, 2025 को समाप्त होने के कारण एतदद्वारा उपनिदेशक (कार्यान्वयन), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (मध्य), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के परामर्श से अधिसूचित किया जाता है कि सागर नगर की नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष के महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन **माननीय प्रो. वाय.एस. ठाकुर** विश्वविद्यालय के वरिष्ठतम् प्रोफेसर एवं कार्यवाहक कुलपति द्वारा से किया जायेगा।

यह आदेश दिनांक 06 सितम्बर, 2025 (अपराह्न) से प्रभावी है।

(हस्ताक्षर) 11/09/25
(संतोष सोहगौरा)
सदस्य-सचिव

प्रति,
समस्त कार्यालयाध्यक्ष
सदस्य कार्यालय
नराकास, सागर (म.प्र.)

प्रतिलिपि:

1. माननीय अध्यक्ष, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति एवं कुलपति, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र)।
2. श्री अनिल कुमार, उप सचिव (कार्यान्वयन), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।
3. श्री नरेन्द्र सिंह मेहरा, उप निदेशक (कार्यान्वयन) क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (मध्य), भोपाल (म.प्र.)।
4. श्री अजय कुमार झा, उप निदेशक (राजभाषा), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।
5. श्री मंथा श्रीनिवासु, संयुक्त सचिव (राजभाषा), विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।
6. समस्त कार्यालयाध्यक्ष, सदस्य कार्यालय, नराकास, सागर।
7. प्रभारी, सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ, डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर – कृपया विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड करने हेतु।
8. प्रभारी जनसंपर्क अधिकारी, डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)- कृपया प्रचार प्रसार हेतु।
9. कुलसचिव के निजी सहायक, डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)।
10. माननीय कुलपति जी के निज सचिव, डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)।
11. गार्ड फाइल।

(हस्ताक्षर) 11/09/25
(संतोष सोहगौरा)
सदस्य-सचिव

'हिंदी में पत्राचार हो, हिंदी में हर व्यवहार हो, बोलचाल में हिंदी ही अभिव्यक्ति का आधार हो।'

"हिन्दी उन सभी गुणों से अलंकृत है,
जिनके बल पर वह विश्व की
साहित्यिक भाषा की अगली श्रेणी में
समासीन हो सकती है।"

■ राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त